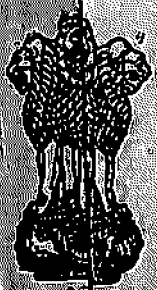

२ संख्या १

बिहार विधान सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

[illegible]वार, तिथि २८ जनवरी, १९५३।

[illegible]ol. II. No. 1

The Bihar Legislative Assembly Debates

Official [illegible]eport.

[illegible]nesday, the 28th January, 1953.

[illegible]धीक्षक, राजकी[illegible]ालय, बिहार,

मूल्य—६ आ[illegible]

Price—A[illegible] 6.

बिहार विधान सभा वादवृत।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में मंगलवार, तिथि १७ फरवरी १९५३ को पूर्वाह्न ११ बजे में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

Short Notice Questions and Answers.

म्युनिसिपल कारपोरेशन की ओर से डस्टबीन की व्यवस्था।

A ९। श्री शिवनन्दन राम—क्या मंत्री, स्थानीय स्वायत-शासन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या पटना म्यूनिसिपल कारपोरेशन की ओर से स्थान-स्थान पर डस्टबीन रखने की व्यवस्था की गई है;

(ख) क्या कारपोरेशन को बाजार दर से अधिक कीमत में डस्टबीन खरीदना पड़ा है।

(ग) यदि खंड (ख) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो इसका कारण क्या है?

श्री भोला पासवान—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) और (ग) उत्तर नकारात्मक है। डस्टबिन के लिए कॉरपोरेशन ने उचित विज्ञापन किया था और विभिन्न टेंडरों की जांच के बाद अति संस्पर्धीदर पर ही डस्टबिन खरीदे गए हैं।

श्री महाबीर प्रसाद—क्या सरकार बतायेगी कि डस्टबिन जो खरीदे गए हैं उनकी क्वालीटी बाजार में मिलने वाली डस्टबिनों से अच्छी है या बुरी?

श्री भोला पासवान—टेंन्टर जब मांगा गया और जिनका टेंडर आया उन्हीं लोगों के डस्टबिनों में जो दाम और क्वालिटी के ख्याल से अच्छा निकाल लिया गया।

श्री महाबीर प्रसाद—क्या सरकार बताएगी कि एक डस्टबिन कितने दाम में खरीदा गया?

श्री भोला पासवान—टेंडर अभी नहीं देखा है। जो रिपोर्ट मेरे पास है उसी के आधार पर म ने उत्तर दिया है।

श्री महाबीर प्रसाद—क्या सरकार ने इन्क्वायरी किया है कि ये डस्टबिन बाजार से क्यों ज्यादा दाम में खरीदे गए क्योंकि बाजार के दर से ज्यादा कीमत में ये खरीदे गए हैं?

श्री भोला पासवान—टेंडर में जो कम दाम और अच्छा पाया गया खरीदा गया।

A सदस्य—की अनुपस्थिति में श्री महाबीर प्रसाद के अनुरोध से उत्तर दिया गया।

श्री बबुए लाल महतो—रेकर्ड देखने से ही पता चल जायेगा। जहां तक मैं जानता हूं इसके लिये कोई रेकर्ड मेनटेन नहीं किया जाता है।

अध्यक्ष—सब को मिल गया और केवल इसी लड़के को छात्रवृत्ति नहीं मिली ?

श्री बबुए लाल महतो—जी हां। रेकर्ड नहीं रहता है।

अध्यक्ष—ऐसी बात है।

श्री बबुए लाल महतो—जी हां।

हरिजन छात्रों की छात्रवृत्तियों का हड़पा जाना।

*१३०। श्री बबुए लाल महतो—क्या मंत्री, कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) दरभंगे जिले में कितने हरिजन छात्रों की छात्रवृत्तियां शिक्षकों द्वारा हड़प लेने की सूचना सरकार को इस साल मिली है;

(ख) यदि खंड (क) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो उसमें कितने हाई स्कूल हैं और कितने मिडिल स्कूल और उस पर क्या कारंवाइयां की गई हैं;

(ग) क्या छात्रों की छात्रवृत्तियां हड़प लेने की घटना हराही म्युनिसिपल मिडिल इंगलिश स्कूल, दरभंगा में घटी है जिसकी जांच जिला हरिजन कल्याण अफसर द्वारा हो चुकी है;

(घ) यदि खंड (ग) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या रिपोर्ट आयी है ?

श्री भोला पासवान—(क) सिर्फ चार हरिजन छात्रों की छात्रवृत्तियां हड़प लेने की सूचना सरकार को मिली है।

(ख) एक हाई स्कूल, दो मिडिल स्कूल और एक लोअर प्राइमरी स्कूल। एक मिडिल स्कूल के प्रधानाध्यापक के विरुद्ध धारा ४०६ के अनुसार मुकदमा चलाया गया है तथा दूसरे बोर्ड मिडिल स्कूल द्वारा छात्रवृत्ति हड़प जाने की खबर झूठी साबित हुई जांच करने पर। एक हाई स्कूल तथा एक लोअर प्राइमरी स्कूल के प्रधानाध्यापकों के विरुद्ध जांच जारी है।

(ग) यह घटना हराही म्युनिसिपल मिडिल स्कूल की थी परन्तु डिवीजनल हरिजन कल्याण अफसर द्वारा स्थानीय जांच के बाद यह गलत साबित हुई।

(घ) उत्तर [ग] से स्पष्ट है।

श्री महावीर प्रसाद—छात्रवृत्ति देने में जो गड़बड़ी होती है, उसमें सुधार करने के लिये सरकार कुछ करना चाहती है, ताकि छात्रवृत्ति उचित लड़के को मिल जाया करे ?

श्री भोला पासवान—अभी जो सिस्टम है छात्रवृत्ति देने का वह अच्छा है अगर इससे अच्छा कोई सिस्टम बतलायें, माननीय सदस्य तब हम उसी को यूज में लायेंगे।

श्री महावीर प्रसाद—क्या सरकार लड़के लोगों के नाम से मनिआर्डर करेगी जिसमें वहां के शिक्षक विटनेस होंगे और लड़के अपनी छात्रवृत्ति पा लेंगे ?

अध्यक्ष—तब तो और भी रुपया "हड़प" हो जायेगा। आपकी योजना अच्छी नहीं निकली।

श्री महावीर प्रसाद—सरकार की क्या नीति है उसे स्पष्ट करे ?

श्री भोला पासवान—सरकार की राय में जो तरीका है वही ठीक है मगर आप यदि कोई अच्छी योजना बतलावें तो मैं उस पर विचार करूँगा।

श्री जोगेश्वर हाजरा—अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार लड़कों के गार्जियन के नाम से छात्रवृत्ति भेज नहीं सकती ?

श्री भोला पासवान—इस योजना को तुरन्त कार्यान्वित तो नहीं किया जा सकता है। इस पर विचार करना होगा। हो सकता है लड़के के अभिभावक ही पैसा हड़प जायं फिर भी यदि यह उनकी राय है तो इसकी जांच करेंगे।

श्री कर्पूरी ठाकुर—क्या सरकार उन स्कूलो के नाम बतलाने की कृपा करेगी जिनके शिक्षक वजीफे के रुपये हड़प गये ? ४ स्कूल, जो बताये गये हैं उनका नाम क्या है ?

श्री भोला पासवान—हमारे पास जो इनफारमेशन है उसको मैं बता देता हूँ। तिरहुत एकेडेमी, समस्तीपुर, मोअरवा मिडिल स्कूल, मधुवनी, हराही म्युनिसिपल बोर्ड मिडिल स्कूल और रजवा बी० एल० पी० स्कूल।

श्री बबुए लाल महतो—हराही म्युनिसिपल बोर्ड मिडिल स्कूल के बारे में जो कहा गया है कि रुपया हड़पने की बात गलत थी तो क्या सरकार फिर से इसकी जांच करायेगी ?

श्री भोला पासवान—इसकी जांच करायी गई जिसकी रिपोर्ट से यह बात मालूम हुई। अगर आपको शक और शुबहा है तो बतायें तो फिर से उसकी जांच कराई जायेगी।